खुलासा

9 दिनों में बाघिन समेत 4 शावकों की मौत, फॉरेंसिक जांच में बड़ा खुलासा, बाघों की मौत का कारण बना जानलेवा संक्रमण, प्रबंधन में हड़कंप

कान्हा में केनाइन डिस्टेंपर वायरस का कोहराम

कान्हा/ मंडला, नवभारत। विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। कान्हा पार्क में पिछले 9 दिनों के भीतर हुई एक बाघिन और उसके चार शावकों की मौत का रहस्य अब सुलझ गया है। फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि इन मौतों की मुख्य वजह घातक केनाइन डिस्टेंपर वायरस का संक्रमण है।

बताया गया कि कान्हा पार्क प्रबंधन के लिए यह एक बड़ी क्षति है क्योंकि महज 9 दिनों के अंतराल में एक पूरी टाइगर फैमिली खत्म हो गई। पहले एक-एक कर चार शावकों की मौत हुई और उसके बाद उनकी मां (बाघिन) ने भी दम तोड़ दिया। शुरुआती दौर में मौत के कारणों को लेकर संशय बना हुआ था, लेकिन अब वैज्ञानिक जांच ने स्पष्ट कर दिया है कि यह वायरस ही बाघों की जान का दुश्मन बना है।

क्या है केनाइन डिस्टेंपर वायरस

विशेषज्ञों के अनुसार यह एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरस है जो आमतौर पर कुत्तों के जरिए जंगली जानवरों में फैलता है। यह वायरस श्वसन तंत्र, जठरांत्र और नसों पर हमला करता है, जिससे जानवर बेहद कमजोर हो जाता है और अंततः उसकी मृत्यु हो जाती है। कान्हा जैसे सुरक्षित माने जाने वाले नेशनल पार्क में इस वायरस की दस्तक ने सुरक्षा और मॉनिटरिंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अलर्ट पर पार्क प्रबंधन

बाघों की मौत के बाद अब पूरे पार्क में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पार्क प्रबंधन अन्य बाघों और वन्यजीवों की निगरानी बढ़ा रहा है जिससे इस संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। अधिकारियों का कहना है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद अब रोकथाम के लिए आगामी रणनीति तैयार की जा रही है।

बाघों की मौत पर फूटा गुस्सा, वन मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, उच्चस्तरीय जांच की मांग

मंडला। विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की निरंतर हो रही मौतों ने वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय निवासियों को झकझोर कर रख दिया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए गुरुवार को कलेक्टर के माध्यम से प्रदेश के वन मंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बाघों की मौत के मामलों की उच्चस्तरीय जांच कराने और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि टाइगर संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाने वाले कान्हा पार्क में पिछले एक महीने के भीतर एक वयस्क बाघ और चार शावकों समेत कुल 5 बाघों की मौत हो चुकी है। इसे वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में एक बेहद चिंताजनक और गंभीर स्थिति बताया गया है।

प्रबंधन और निगरानी पर गंभीर सवाल-
क्षेत्रीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि बाघों की सुरक्षा, समय पर उपचार और मॉनिटरिंग व्यवस्था में बड़ी खामियां हैं। ज्ञापन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि पार्क प्रबंधन की लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था में ढील के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार दोहराई जा रही हैं। पूर्व में भी ऐसी घटनाएं सामने आईं, लेकिन ठोस कदम नहीं उठाए जाने के कारण आज वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

पुनरावृत्ति रोकने की मांग-ज्ञापन सौंपने वाले जागरूक लोगों ने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं। ज्ञापन सौंपने के दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

धनगांव में पीएम जनमन योजना की सड़क निर्माण में लापरवाही

समय सीमा समाप्त, अधूरा काम और घटिया गुणवत्ता से ग्रामीण आक्रोशित

बबलिया। जिले के बबलिया के समीपस्थ ग्राम पंचायत धनगांव में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। शासन द्वारा करोड़ों रुपये आवंटित किए जाने के बावजूद निर्माण एजेंसी और ठेकेदार की उदासीनता के कारण ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी अनुसार मेन रोड से धनगांव बैगा टोला मार्ग तक 2.40 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 1 करोड़ 43 लाख 92 हजार रुपये की लागत से किया जाना है। इस महत्वपूर्ण मार्ग का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री और जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा बड़े उत्साह के साथ 16 अप्रैल 2025 को किया गया था। सड़क निर्माण पूर्ण करने की अंतिम तिथि 16 मार्च 2026 निर्धारित थी, लेकिन यह अवधि समाप्त होने के बाद भी कार्य अभी तक अधूरा है।

कछुआ गति और घटिया निर्माण के आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। नदी किनारे का हिस्सा अभी तक पूर्ण नहीं किया गया है और न ही पुल-पुलियों एवं नालियों का निर्माण कराया गया है। अधूरा काम छोड़ दिए जाने से और निर्माण की खराब गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां पुलिया बननी चाहिए थी, वहां काम शुरू तक नहीं हुआ है, जिससे सड़क का कोई औचित्य सिद्ध नहीं हो रहा।

बरसात से पहले कार्य पूर्ण करने की मांग

बरसात का मौसम नजदीक आते देख ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि इस घटिया और अधूरे निर्माण कार्य की जांच कराई जाए और इसे बरसात शुरू होने से पहले अति शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि बैगा टोला के निवासियों का आवागमन सुलभ हो सके। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो आगामी मानसून में ग्रामीणों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट सकता है।

घुघरी स्वास्थ्य विभाग से बीईई इंद्रा बैरागी की विदाई

ब्लॉक विस्तार प्रशिक्षक का भव्य सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

घुघरी, नवभारत। स्वास्थ्य विभाग घुघरी में लंबे समय तक अपनी सेवाएँ प्रदान करने वाली ब्लॉक विस्तार प्रशिक्षक श्रीमती इंद्रा बैरागी 30 अप्रैल को अपनी शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गईं। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ पूरे स्टाफ ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

विदाई कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज राज द्वारा की गई। डॉ. राज ने श्रीमती बैरागी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और जन-जागरूकता फैलाने में उनकी भूमिका अत्यंत अनुकरणीय रही है। सहकर्मियों ने उनके सरल स्वभाव और कार्य के प्रति उनकी निष्ठा की प्रशंसा की।

इस विशेष अवसर पर श्रीमती बैरागी के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे, जिससे माहौल और भी भावुक हो गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग का समस्त अमला, फील्ड स्टाफ और कार्यालयीन कर्मचारी मौजूद थे। अंत में विभाग की ओर से उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने उनके सुखद, स्वस्थ और दीर्घायु सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामना की।

नैनपुर बीईओ कार्यालय में बाबूराज, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा शिक्षकों का हक

नवनियुक्त शिक्षकों के वेतन में डीए की कटौती, एरियर और इंक्रीमेंट डकार रहा स्थापना विभाग, तीन बार सस्पेंड हुए बाबू को हटाने में सहायक आयुक्त की मौन सहमति

नैनपुर, नवभारत। जिले के विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नैनपुर में स्थापना शाखा के बाबुओं की मनमानी और भ्रष्टाचार ने शिक्षकों का जीना दूभर कर दिया है। ताजा मामला नवनियुक्त शिक्षकों के अप्रैल माह के वेतन भुगतान में सामने आया है, जहाँ घोर लापरवाही बरतते हुए अधिकांश शिक्षकों को 3 प्रतिशत बढ़े हुए डीए (महंगाई भत्ते) का लाभ दिए बिना ही वेतन जमा कर दिया गया। हद तो तब हो गई जब कार्यालय ने अपनी गलती सुधारने के बजाय शिक्षकों से ही लिखित आवेदन या व्हाट्सएप पर जानकारी मांगी, जबकि सिस्टम में सारा डाटा पहले से उपलब्ध है।

बताया गया कि नैनपुर बीईओ कार्यालय के बाबू अब खुलेआम भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में हैं। आरोप है कि वेतन के अलावा शिक्षकों का कोई भी जायज काम बिना लेन-देन के नहीं किया जाता। स्थापना शाखा का कार्य देख रहे बाबू अशोक यादव जो अपनी अनियमितताओं के कारण पूर्व में 3-4 बार निलंबित हो चुके हैं, उन्हें हटाने के बजाय अन्य बाबुओं ने यूनिटी बनाकर उनके पक्ष में मोर्चा खोल दिया है। जब शिक्षक संगठनों ने एरियर और एचआरए की बात की, तो बाबुओं ने एकजुट होकर सहायक आयुक्त मंडला के पास शिक्षकों की ही शिकायत कर दी और आवाज उठाने वाले पदाधिकारियों के स्थानांतरण का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

वेतन वृद्धि और एचआरए में भी सेंधमारी

लापरवाही का आलम यह है कि जुलाई माह में लगभग 74 शिक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं लगाई गई, जिसका भुगतान आज तक लंबित है। इसी तरह पूर्व में आवंटन की कमी बताकर बिना एचआरए के वेतन दिया गया था, जिसका एरियर आज तक बकाया है।

गलत व्याख्या से महिला शिक्षक प्रताड़ित

महिला शिक्षकों के साथ भी नियमों का हवाला देकर भेदभाव किया जा रहा है। अन्वेषक भाऊ लाल पारधी के कहने पर संतान पालन अवकाश पर रहीं महिला शिक्षकों की जुलाई और अगस्त की वेतन वृद्धि रोक दी गई थी। हालांकि बाद में गलती सुधार ली गई, लेकिन उन दो महीनों के एरियर का भुगतान आज तक नहीं किया गया।

एरियर भुगतान और वसूली का खेल

नैनपुर ब्लॉक में पिछले तीन-चार सालों से क्रमोन्नति प्राप्त शिक्षकों को एरियर का भुगतान आज तक नहीं मिला है। अधिकारी 90 प्रतिशत भुगतान का दावा कर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि 50 प्रतिशत काम भी नहीं हुआ है। आरोप है कि एरियर बिल बनाने के नाम पर ट्रेजरी खर्च के बहाने शिक्षकों से अवैध वसूली की जा रही है। जो शिक्षक पैसे नहीं देते, उनका बिल जानबूझकर रोक दिया जाता है। यहाँ तक कि एरियर गणना में मदद करने वाले कम्प्यूटर जानकर शिक्षकों को भी कार्यालय से भगा दिया गया है।

इनका कहना है

बार-बार ज्ञापन सौंपने और रैलियां निकालने के बावजूद सहायक आयुक्त मंडला ने दोषी बाबुओं को कार्यालय से नहीं हटाया है। उनकी यह मौन सहमति बाबुओं के हौसलों को बढ़ा रही है। शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही भ्रष्ट बाबुओं को नहीं हटाया गया और भुगतान सुनिश्चित नहीं हुआ, तो वे विभाग के खिलाफ धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

संजीव सोनी, जिलाध्यक्ष, अपाक्स मंडला

फर्म मेकाल कार एक्सेसरीज पर 20 हजार का स्पॉट फाइन

नाली में गंदगी फैलाने पर कार्रवाई

जबलपुर। नगर निगम संभाग क्रमांक 14 के अंतर्गत स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाली फर्म मेकाल कार एक्सेसरीज के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की गई है। दरअसल सार्वजनिक नाली में कचरा और गंदगी प्रवाहित की जा रही थी, जिससे जल निकासी बाधित होने और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ने का खतरा था। जिसके चलते 20 हजार का स्पॉट फाइन किया गया।

विदित हो कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की दिशा में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा निरंतर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। नगर निगम टीम के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मेकाल कार एक्सेसरीज द्वारा सार्वजनिक नाली में कचरा और गंदगी प्रवाहित की जा रही थी, जिससे जल निकासी बाधित होने और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ने का खतरा था। नगर निगम की टीम ने त्वरित संज्ञान लेते हुए मौके पर ही 20,000 रुपये का स्पॉट फाइन किया। जुर्माने की राशि तत्काल निगम कोष में जमा कराई गई। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव, सी.एस.आई. मोनिका तुमराम, एस.आई.कोदु लाल, संभागीय यंत्री सतेंद्र चक्रवर्ती, उपयंत्री खुशबू पटेल, संपत शेखर पटेल आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता से समझौता नहीं : निगमायुक्त

निगमायुक्त ने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। स्वच्छता से समझौता नहीं किया जायेगा। नाली या सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना न केवल दंडनीय है, बल्कि यह नागरिक जिम्मेदारी के खिलाफ भी है। निगमायुक्त ने सभी व्यवसायियों और नागरिकों से अपील की है कि वे कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन करें और जबलपुर को नंबर वन बनाने में सहयोग दें।

जीआरपी ने यात्री को सुरक्षित लौटाया बैग

जबलपुर, नवभारत। प्लेटफार्म में यात्रियों की सुरक्षा और सतर्कता का एक बेहतरीन उदाहरण बुधवार को सामने आया। जीआरपी जबलपुर की मुस्तैदी से गुम हुआ बैग न सिर्फ बरामद हुआ, बल्कि उसमें रखे दस्तावेज भी सुरक्षित यात्री को वापस मिल गए। जीआरपी के प्रधान आरक्षक धीरेंद्र ने बताया कि 29 अप्रैल को जबलपुर के प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर रेल यात्री अंजली चौरसिया उम्र 21 वर्ष निवासी मस्जिद रोड, खितौला थाना, जबलपुर ने शिकायत दर्ज कराई कि वे अपना दस्तावेजों से भरा बैग प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर कही भूल गई है। जिसे प्रधान आरक्षक धीरेंद्र, आरती और प्रियंका के द्वारा खोजकर एवं यात्री का पता तलाश कर उन्हें थाने में बुला कर सुपुर्द किया गया।

93 चालकों पर जुर्माना, 23 के लायसेंस निलंबित

यातायात पुलिस ने की विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही

नवभारत, जबलपुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट के अनिवार्य उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु पुलिस परिवहन शोध संस्थान, पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा। जिसके तहत शहर में यातयात पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही के साथ लाइसेंस निलंबन कार्यवाही की जा रही है। जानकारी के अनुसार उप पुलिस अधीक्षक (मालवीय चौक, गढ़ा, घमापुर) एवं यातायात थाना प्रभारियों की संयुक्त टीमों ने जसूजा सिटी, महाराजपुर फॉरेस्ट नाका एवं पाटन बायपास क्षेत्र में बिना हेलमेट वाहन चालकों पर कार्रवाई की। जिसमें बस स्टैंड तिराहे पर हेलमेट पहनने वाले चालकों को प्रोत्साहन स्वरूप उपहार भी प्रदान किए गए। वहीं पुराना बस स्टैंड, तिराहा एवं गोरा बाजार रोड पर की गई कार्रवाई में 93 चालकों के चालान कर 27,900 रुपए की राशि वसूली गई तथा 23 प्रकरण लाइसेंस निलंबन के लिए आरटीओ को भेजे गए।

उल्लेखनीय है कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के तहत पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर अभियान को प्रभावी बनाने के लिए पीओएस मशीन के माध्यम से अधिकतम चालानी कार्रवाई करने तथा ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु प्रकरण परिवहन विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात सुश्री अंजना तिवारी के निर्देशन में विभिन्न स्थानों पर टीमों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

जबलपुर मंडल में चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान

जबलपुर, नवभारत। ग्रीष्मकालीन अवधि में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ एवं आरक्षित यात्रियों को होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए जबलपुर रेल मंडल द्वारा विशेष मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान संचालित किया गया। यह अभियान 27 अप्रैल को जबलपुर-सतना खंड में ट्रेन संख्या 12141 और 11060 में चलाया गया। यह अभियान रेलवे मजिस्ट्रेट वेद प्रकाश सगर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उनके मार्गदर्शन में चल टिकट निरीक्षक, टिकट चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम द्वारा गहन जांच की गई।

गर्मियों के दौरान ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण कई बार बिना टिकट अथवा अनियमित यात्री आरक्षित कोचों में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे पहले से आरक्षण कराए हुए यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान हेतु अभियान के दौरान विशेष रूप से आरक्षित कोचों में जांच पर बल दिया गया।

राजस्व किया गया अर्जित

जांच के दौरान कुल 156 बिना टिकट यात्रियों एवं लगभग 400 अनियमित यात्रियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई से कुल 3,61,785 का राजस्व अर्जित किया गया।

अभियान में शामिल टीम ने न केवल नियम उल्लंघन करने वाले यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई की, बल्कि यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा करने एवं रेलवे नियमों का पालन करने के लिए जागरूक भी किया। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे आरक्षित कोचों में अनधिकृत प्रवेश न करें तथा टिकट लेकर ही यात्रा करें।

भाजपा नेता के घर पर आधी रात बमबाजी

जबलपुर। कैंट थाना अंतर्गत सदर बाजार में बीती रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब अज्ञात बदमाशों ने एक भाजपा नेता के घर को निशाना बनाकर बम से हमला कर दिया। इस हमले में घर के बाहरी हिस्से में आग लग गई और बिजली के उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। पुलिस ने पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सदर बाजार की गली नंबर 9 निवासी बंटी शिवहरे, भारतीय जनता पार्टी के मंडल मंत्री हैं, मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे अपने परिवार के साथ घर की तीसरी मंजिल पर सो रहे थे। तभी अचानक एक कान फाड़ देने वाले धमाके के साथ पूरे घर की बिजली गुल हो गई। धमाके की आवाज सुनकर जब बंटी शिवहरे ने नीचे झांका, तो घर के बाहर सड़क पर लोगों का मजमा लगा था। वे तुरंत नीचे पहुंचे तो देखा कि उनके मुख्य दरवाजे के पास आग लगी हुई थी। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने तत्परता दिखाते हुए पानी डालकर आग बुझाई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अज्ञात शरारती तत्वों ने घर पर बम फेंका और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कैंट पुलिस मौके पर पहुंची। बम के धमाके से घर के बिजली बोर्ड और बाहरी दीवार को नुकसान पहुँचा है।